उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,

हल्द्वानी

महत्वपूर्ण उपलब्धियॉ

माहमार्च एवं अप्रैल, 2020

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय कोविड–19 के तहत् जारी लॉकडाउन की स्थिति में Work form Home का सशक्त रूप से परिपालन कर रहा है जिसके मुख्य बिन्दु निम्नवत् हैं:–

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा स्वंय पोर्टल में 8775 learners को पंजीकृत किया गया है जिसके तहत् विभिन्न शिक्षकों, उघोगों व वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं से ऑनलाइन काउंसलिग आमंत्रित की गयी है तथा प्रतिदिन समस्त learners को ऑनलाइन लेक्चर की सुविधा प्रदान की जा रही है। शिक्षकों द्वारा लगातार पीपीटी तथा वीडियों लेक्चर अपलोड किये जा रहे है। **अद्यतन 167 PPT's 355 Video Lectures** विश्वविद्यालय की वेबसाईट में अपलोड किये जा चुके है।
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा यूटयूब चैनल (uou-live) को बनाया गया है व मुख्य मुख्य लेक्चरों को चैनल पर अपलोड किया गया है।
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा MOODLE based e-learning platform (elearning.uou.ac.in) को learners हेतु विकसित किया गया है जिसकी सूचना समस्त learners को प्रदान की गयी है वर्तमान तक 25850 learners विभिन्न पाठ्यक्रमों में पंजीकृत किये गये हैं।
- कुछ कोर्सों में self learning material लॉकडाउन की स्थिति में प्रेषित नही हो पाये, विश्वविद्यालय द्वारा इसके समाधान हेतु Digital Learning Material को विश्वविद्यालय की वेबसाइट में अपलोड किया गया है जिसे learners द्वारा डाउनलोड कर उसका लाभ लिया जा रहा है। विश्वविद्यलाय की वेबसाईट में समस्त अध्ययन सामग्री डिजीटल मोड में उपलब्ध करायी गई है। निम्न पाठ्यक्रम की Digital Learning Material उपलब्ध नहीं था, उन्हें भी लॉकडाउन के दैरान अपलोड कर दिया गया है। उक्त Digital Learning Material का भारत के अन्य मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा भी लाभ लिया जा रहा है।
  1. MAJMC-19
  2. MBA-17
  3. MAPS-18
  4. MTTM-17
  5. BTTM-17
  6. BHM-17
  7. BJNM
  8. BEDSE(LD)-19
  9. BEDSE(MR)-19
- Ph. D coursework MOODLE को विश्वविद्यालय द्वारा online mode and blended mode पर संचालित किये जा रहे हैं।
- विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों द्वारा learners को Online counselling प्रदान की जा रही है।
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा अर्न्तराष्ट्रीय संस्थान जैसे Commonwealth of Learning, Canada के साथ दूरस्थ माध्यम से कोविड–19 के तहत् सहभागिता की जा रही है।
- शैक्षिक ज्ञान को बढाने एवं आदान प्रदान हेतु Departmental blogs का प्रयोग किया जा रहा है।

- National Digital Library of India, Association with Spoken Tutorials IIT Mumbai की सदस्यता ली गयी है एवं Tele-counselling तथा शिक्षकों के whatapp group के माध्यम से Audio/Vedio/SLM को प्रदान किया जा रहा है इसके अतिरिक्त फेसबुक के माध्यम से योगा के लाइव सत्र की सुविधा learners को प्रदान की जा रही है।

परीक्षा की तिथियों की घोषणा से पूर्व श्री देवसुमन विश्वविद्यालय, हे0न0ब0विश्वविद्यालय एवं कुमॉऊ विश्वविद्यालय से समन्वय स्थापित किया जा रहा है। जिसके पश्चात परीक्षा की तिथियां घोषित की जायेंगी क्योंकि विश्वविद्यालय द्वारा उक्त विश्वविद्यालयों के मानव एवं अन्य संशाधनों को उपयोग में लाया जाता है।

म0 कुलपति जी द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित बैठक में प्रतिभाग–

दिनांक 18 मार्च 2020 को देश के सभी मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सचिव के साथ वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। उक्त बैठक में कुलपति जी द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। बैठक में कुलपति जी द्वारा विश्वविद्यालय की प्रगति तथा 12बी में न होने की बात सचिव के समक्ष रखी।

नई शिक्षा नीति 2019 और इसका दिव्यांग जनों के शिक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव से संबंधित विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

दिनांक 14 – 15 मार्च 2020 को भारतीय समाज अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी द्वारा नई शिक्षा नीति 2019 और इसका दिव्यांग जनों के शिक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव से संबंधित विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजनदून विश्वविद्यालय, देहरादून के सभागार में किया गया।

सेमीनार का उद्घाटन श्री तीरथ सिंह रावत माननीय सांसद गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र से प्रोफेसर पीपी ध्यानी माननीय कुलपति श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय और उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ पी एस नेगी व संयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। सेमिनार के प्रथम दिवस डॉ विनोद केन प्राध्यापक राष्ट्रीय दृष्टि बधितार्थ संस्थान, देहरादून द्वारा सेमिनार की मुख्य विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए। तत्पश्चात् विषय वस्तु से संबंधित विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया जिनमें नई शिक्षा नीति का विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा में भूमिका, नई शिक्षा नीति की दूरस्थ शिक्षा के संवर्धन में भूमिका, नई शिक्षा नीति का तकनीकी ज्ञान पर आधारित शिक्षा में भूमिका विषय पर विभिन्न सत्रों का आयोजन करते हुए शोधार्थियों द्वारा अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए गए जिनमें सत्रों के अध्यक्षता करते हुए विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा उनकी समीक्षा करते हुए उनकी सराहना की गई।

सेमिनार के दूसरे दिन दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस सी पोखरियाल द्वारा नई शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा के मूल्यांकन और गुणवत्ता संबंधित विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया गया साथ ही नई शिक्षा नीति में नवीन दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम की भूमिका,नई शिक्षा नीति और अध्यापक शिक्षा से संबंधित विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया। साथ ही एक विशेष सत्र जिसमें की सभी विशेष शिक्षकों के साथ संवाद से संबंधित था उसका आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों और विश्वविद्यालयों मे इसे शिक्षा से संबंधित विशेषज्ञों के माध्यम से उन सभी समस्याओं का निराकरण करने संबंधी और प्राप्त सुझावों को सामान्य सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय एवं भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय को अनुशंसा के तौर पर भेजने पर सहमति व्यक्त की गई।

सेमिनार के समापन सत्र पर राज्य केप्रमुख सचिव उच्च शिक्षा श्री आनंद वर्धन जी, दून विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एके कर्नाटक जी एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति बीएस नेगी द्वारा का सेमिनार का समापन किया गया सेमिनार में लगभग 150 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। सेमिनार के अंत में संयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल के द्वारा बताया गया कि सेमिनार में प्रस्तुत किए गए उत्कृष्ट शोध पत्रों एवं सुझावों की एक रिपोर्ट

राज्य के उच्च शिक्षा विभाग एवं भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भेजी जाएगी।

परीक्षा

विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाएं दिसम्बर 2019 से संबंधित (मुख्य व बैक) समस्त परीक्षाफल घोषित किये जा चुके है तथा बैक एवं सुधार परीक्षा फार्म भरने की तिथि को 31 मई 2020 तक विस्तारित किया गया है।

सत्र 2019–20 की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षायें प्रतिवर्ष माह जून–जुलाई में सम्पन्न कारायी जाती है, किन्तु कोविड–19 महामारी के कारण उत्पन्न कठिनाईयों के निवारण हेतु दिनांक 20 मई 2020 को परीक्षा समिति की बैठक प्रस्तावित है जिसमें राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुरूप वार्षिक परीक्षा कराये जाने से सम्बन्धित रणनीति पर विचार–विमर्श किया जायेगा।

माह मार्च 2020 में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 350 मूल उपाधियॉ एवं 12 अनापत्ति प्रमाणपत्र/सत्यापन डाक से प्रेषित किये गये।

पी0एम0 केयर फण्ड में विश्वविद्यालय का योगदान

देशमेंCOVID-19 नामक वैश्विक महामारी के कारण उत्पन्न हुई अभूतपूर्व संकट हेतु विश्वविद्यालय द्वारा समस्त नियमित शिक्षकों एवं कमचारियों द्वारा अपने एक दिन का वेतन माननीय कुलपति जी की अपील पर दान किया गया। जिसकी समस्त धनराशि रू0 1,68,470 (रूपये एक लाख अड़सठ हजार चार सौ सत्तर मात्र) पी0एम0 केयर फण्ड में जमा करा दी गई है।

अध्ययन बोर्ड की बैठकों का आयोजन

भौतिक विज्ञान–

विश्वविद्यालय के विज्ञान विद्याशाखा के अंतर्गत भौतिक विषय की अध्ययन बोर्ड की बैठक का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से किया गया। बैठक में सभी सदस्यों द्वारा ऑलाइनGoogle Duo platformके माध्यम से प्रतिभाग किया गया जिसमें मा0 कुलपति जी द्वारा स्वयं प्रतिभाग किया गया इसके अतिरिक्त वाह्य विशेषज्ञ के रूप में डॉ0 एस0आर0 झा, प्रोफसर भौतिकी, इग्नू, नई दिल्ली, डॉ0 पीएस बिष्ट, प्रोफेसर भौतिकी, अल्मोड़ा कैम्पस, कुमांऊ विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा प्रतिभाग किया गया। विश्वविद्यालय से प्रोफेसर पी0डी0 पंत, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, डॉ0 कमल देवलाल,

सहा0 प्राध्यापक, डॉ0 राजेश मठपाल तथा डॉ0 मिनाक्षी राणा अकादमिक परामर्शदाता द्वारा प्रतिभाग किया गया।

बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा हुई जिसमें एमएससी के पाठ्यक्रम की पाठ्य सामग्री का निर्माण तथा सेमेस्टर प्रणाली में पाठ्य सामग्री तैयार करना।

प्राणी विज्ञान–

विश्वविद्यालय के विज्ञान विद्याशाखा के अंतर्गत भौतिक विषय की अध्ययन बोर्ड की बैठक का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से किया गया। बैठक में सभी सदस्यों द्वारा ऑलाइन Google Duo platformके माध्यम से प्रतिभाग किया गया जिसमें मा0 कुलपति जी द्वारा स्वयं प्रतिभाग किया गया इसके अतिरिक्त वाह्य विशेषज्ञ के रूप में डॉ नीरा कपूर, प्रोफेसर, प्राणी विज्ञान, इग्नू, नई दिल्ली, डॉ0 ए0के0 डोबरियाल, प्रोफेसर, बीजीआर कैम्पस, पौड़ी,एच0एन0बी0 गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, डॉ0 एस0पी0एस0 बिष्ट, डीएसबी कैम्पस, कुमाऊ विश्वविद्यालय, नैनीताल। विश्वविद्यालय से प्रोफेसर पी0डी0 पंत, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, डॉ0 श्याम सिंह कुंजवाल, डॉ0 पूर्णिमा विश्वकर्मा एवं डॉ0 मुक्ता अकादमिक परामर्शदाता, प्राणी विज्ञान, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय।

बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा हुई जिसमें सेमेस्टर प्रणाली में पाठ्य सामग्री तैयार करना तथा यूजीसी के दिशा निर्देशों के अनुरूप ही CBCSके अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करना।

मा0 कुलपति जी की अध्यक्षता में वीडियो कोन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समस्त शिक्षकों के साथ बैठक–

विज्ञान विद्याशाखा–

दिनांक 27 अप्रैल, 2020 को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में विज्ञान विद्याशाखा के समस्त शिक्षकों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ZOOM App के माध्यम से किया गया। बैठक में प्रोफेसर पी0डी0 पंत निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा बैठक की शुरूआत की गई तथा सभी का स्वागत किया गया।

माननीय कुलपति जी ने प्रत्येक विभाग के संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की तथा उनके द्वारा लॉकडाउन अवधि में किये गये कार्यों की समीक्षा की। सभी विषयों के समन्वयकों द्वारा माननीय कुलपति जी को अपनी प्रगति के सम्बन्ध में अवगत कराया।

मननीय कुलपति जी द्वारा समस्त संकाय सदस्यों को सुझाव दिया कि लॉकडाउन अवधि के दौरान घर से कार्य करते हुए विद्यार्थियों की सर्वोत्तम सहायता करें। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रमों के पीपीटी बनाकर, ई–पुस्तकों तथा विकासशील वीडियों के लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाईट में उपलब्ध करवाये। कुलपति जी द्वारा यह भी सुझाव दिया गया कि जिन विभागों में अद्यतन अध्ययन बोर्ड की बैठक का आयोजन नहीं हुआ है वे जल्द ही ऑनलाइन अध्ययन बोर्ड की बैठक करवाना सुनिश्चित करें।

बैठक में स्नातकोत्तर तथा स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों को सेमेस्टर प्रणाली में किये जाने तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। अंत में प्रो0 पी0डी पंत के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ बैठक समाप्त हुई।

<u>समाज विज्ञान विद्याशाखा</u>

दिनांक 30 अप्रैल, 2020 को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में समाज विज्ञान विद्याशाखा के समस्त शिक्षकों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। बैठक में प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा बैठक की शुरूआत की गई तथा सभी का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् माननीय कुलपति जी ने समस्त शिक्षकों को लॉकडाउन की अवधि में घर से कियेगये कार्यों का विवरण प्रस्तुत किये जाने हेतु आदेश दिये।

- **डॉ0 एमएम जोशी, सहायक प्राध्यापक** द्वारा बताया गया कि उनके बीए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष तथा एमए के प्रथम वर्ष के पाठ्य सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त इनके द्वारा **16 पीपीटी अपलोड किये गये** हैं। सत्र 2020–21 से पाठ्य सामग्री सेमेस्टर प्रणाली के अनुसार तैयार करने की प्रक्रिया गतिमान है।
- **डॉ0 सूर्यभन सिंह, सहायक प्राध्यापक** द्वारा अवगत कराया गया कि उनके बीए तथा एमए की पाठ्य सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त इनके द्वारा **11 पीपीटी अपलोड किये गये हैं**

तथा लॉकडाउन अवधि में इनके द्वारा लगभग 4200 विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री तथा सत्रीय कार्य ई मेल तथा सोशियल नेटवर्किंग के माध्यम से प्रेषित किये गये। सत्र 2020–21 से पाठ्य सामग्री सेमेस्टर प्रणाली के अनुसार तैयार करने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली है।

- **डॉ0 नीरजा सिंह, सहायक प्राध्यापक, समाज कार्य** द्वारा अवगत कराया गया कि इनके द्वारा MSW-II semesterतथाMSW -IV semester project workपीपीटी अपलोड किये गये हैं। इन्होंने **51 विद्यार्थियों की टेलीफोनिक काउंसिलिंग** भी की। **एमएसडब्ल्यू की समस्त पाठ्य सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध** है।
- **डॉ0 शालिनी चौधरी, सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र** ने बताया कि उनके द्वारा इनके द्वारा व्हाट्स एप तथा मेल के माध्यम से विद्यार्थियों को सत्रीय कार्य तथा पाठ्य सामग्री प्रेषित की जा रही है। इसके अतिरिक्त इनके द्वारा **02 पीपीटी अपलोड किये गये** हैं। इनके विषय की समस्त पाठ्य सामग्री तैयार है।
- **डॉ0 सीता, सहायक प्राध्यापक तथा डॉ0 रूचि तिवारी, अकादमिक परामर्शदाता, मनोविज्ञान** द्वारा अवगत कराया गया कि सत्र 2020–21 से पाठ्य सामग्री सेमेस्टर प्रणाली के अनुसार तैयार करने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली है। अध्ययन बोर्ड की बैठक की तैयारी की जा रही है। ई–काउंसिलिंग की प्रक्रिया गतिमान है।
- **डॉ दीपांकुर जोशी, अकादमिक परामर्शदाता, विधि** द्वारा बैठक में बताया कि इनके द्वारा माबाईल तथा **व्हाट्स ऐप के माध्यम से विधि विषय के विद्यार्थियों की समस्याओं का निराकरण किया** गया। इनके विषय की समस्त पाठ्य सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध है। इन्होंने आरटीआई पाठ्यक्रम से सम्बन्धित पीपीटी तैयार किये गये।

<u>मानविकी विद्याशाखा–</u>

दिनांक 30 अप्रैल, 2020 को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में मानविकी विद्याशाखा के समस्त शिक्षकों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। बैठक में प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा बैठक की शुरूआत की गई तथा सभी का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् माननीय कुलपति जी ने समस्त शिक्षकों को लॉकडाउन की अवधि में घर से किये गये कार्यों का विवरण तथा विद्यार्थियों को प्रेषित की जाने वाली पाठ्य पुस्तकों की स्थिति से अवगत कराने हेतु आदेश दिये।

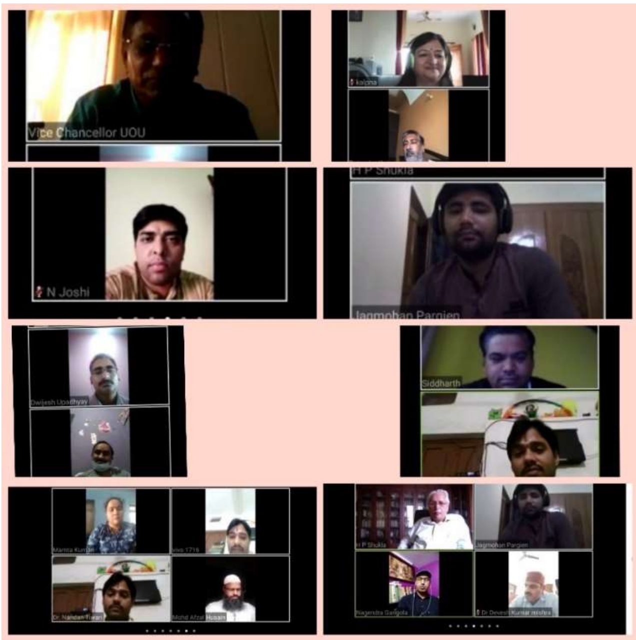

- **डॉ0 देवेश कुमार मिश्रा, सहा0 प्राध्यापक, संस्कृत** द्वारा अवगत कराया गया कि इनके द्वारा पीपीटी तैयार किये गये।
- **डॉ0 सुचित्रा अवस्थी, सहा0 प्रध्यापक तथा डॉ0 नागेन्द्र गंगोला, अकादमिक परामर्शदाता, अंग्रेजी** द्वारा इनके द्वारा **2 किताबें एम0 ए0 की तैयार की गई तथा 4 पीपीटी अपलोड किये गये।** सेमेस्टर प्रणाली का कार्य पूर्ण हो चुका है।
- **डॉ0 भूपेन सिंह, सहा0 प्राध्यापक, पत्रकारिता** द्वारा अवगता कराया गया कि पत्रकारिता के समस्त पाठ्यक्रमों की **अध्ययन सामग्री अपलोड कर दी गई है** तथा छात्रों हेतु विडीयो लेक्चर भी तैयार किये जा रहे है।
- **डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, सहा0 प्राध्यापक**, ज्योतिष द्वारा बताया गया कि इनके द्वारा छात्रों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। वास्तु शास्त्र पर वीडियो लेक्चर तैयार किया गया तथा इनके विषय के पीपीटी विश्वविद्यालय की बेबसाइट पर अपलोड है।
- **डॉ ममता कुमारी, सहा0 प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र द्वारा बैठक में बताया गया कि व्हट्स एप के माध्यम से विद्यार्थियों को सहायता की जा रही** है। लेक्चर तथा पीपीटी तैयार कर अपलोड किये जा रहे है।
- **डॉ कल्पना पाटनी लखेड़ा, सहा0 प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र** द्वारा किताबों के सम्पादन कार्य के साथ साथ लेक्चर तथा पीपीटी तैयार कर अपलोड किये जा रहे है।
- **डॉ0 राजेन्द्र सिंह कैड़ा, अकादमिक परामर्शदाता, हिन्दी** द्वारा **4 किताबों का संपादन कार्य** किया गया। इनकी समस्त पाठ्य सामग्री सेमेस्टर प्रणाली के अनुसार तैयार है। इनके द्वारा विद्यार्थियों हेतु **4 पीपीटी अपलोड किये गये।**
- **डॉ0 सिद्वार्थ कुमार पोखरियाल, अकादमिक परामर्शदाता**, विशेष शिक्षा द्वारा समस्त पाठ्य सामग्री विद्याथियों हेतु अपलोड कर दी गई है।

अंत में मननीय कुलपति जी द्वारा समस्त संकाय सदस्यों को सुझाव दिया कि लॉकडाउन अवधि के दौरान घर से कार्य करते हुए विद्यार्थियों की सर्वोत्तम सहायता करें। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रमों के पीपीटी बनाकर, ई–पुस्तकों तथा विकासशील वीडियों के लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाईट में अधिक से अधिक उपलब्ध करवाये।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस, 2020

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस 2020 की पूर्व संध्या पर दिनांक 07 मार्च, 2020 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वाविद्यालय में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

जैसा कि विदित ही है कि प्रतिवर्ष सम्पूर्ण विश्व में 8 मार्च को अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में भी सभी सदस्यों ने सम्मिलित रूप में एक संक्षिप्त विचार गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ0पी0एस0 नेगी ने की।

प्रोफेसर नेगी ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि भारतीय सभ्यता विश्व की सबसे प्रचीनतन सभ्यता है तथा यह सर्वविधित है कि भारतीय सभ्यता अपने सभी युगों में सामाजिक रूप में महिलाओं के प्रति सम्मान एवं समर्पण का भाव रखती आई है। भारतीय समाज ने निरंतर अपनी महिलाओं अर्थात मातृ शक्ति का सम्मान किया है।

प्रोफेसर नेगी ने उपस्थित सभी महिलाओं का शक्ति तत्व के प्रति जागरूक होने के लिए आवाहन किया। कार्यक्रम का आरम्भ करते हुए डॉ0 राजेन्द्र कैड़ा ने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण तथ्य है कि कोई समाज अपने महत्वपूर्ण प्रश्नों की महत्ता को समझे, साथ ही उन्होंने कहा कि समस्या को पहचानना एवं उसके निदान का समुचित प्रयत्न करना आवश्यक है। हमको समाजिक, आर्थिक, धार्मिक एवं राजनैतिक आयामों के आधार पर महिलाओं कि स्थितियों, उनकी समस्याओं को हल करने के प्रयत्न करने चाहिए।

अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक डॉ0 नागेन्द्र गंगोला द्वारा महिला चेतना को एक लम्बा इतिहास माना गया, उनके अनुसार महिला को एक सामाजिक इकाई के रूप में देखने की आवश्यकता है तथा इस इकाई के समग्र विकास हेतु कार्य करने की आवश्यकता है।

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा की सहायक प्राध्यापिका डॉ0 ममता ने विश्वविद्यालय के अन्तर्गत महिला अध्ययन केन्द्र अथवा महिला विषयक पाठ्यक्रम की आवश्यकता पर बल दिया। इसी क्रम में माननीय कुलपति ने भविष्य में महिला विषयक पाठ्यक्रमों की योजना को सहमति प्रदान की तथा डॉ0 ममता को इस कार्य की जिम्मेदरी हेतु प्रस्तावित किया।

श्रीमती आभा गर्ब्याल, वित्त नियंत्रक एवं अध्यक्ष महिला सेल, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने भी अपने विचार व्यक्त किये तथा महिलाओं की अस्मिता को व्यक्त करने वाली स्वरचित कविता का पाठ किया।

श्रीमती रेखा बिष्ट, सहायक क्षेत्रीय निदेशक, ने दिनांक 22–23 जनवरी, 2020 को Association of Indian Universities (AIU) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला जो कि Safe Campus: Implementation of UGC Guidelines/Regulation on Gender Champions and POSHविषय पर पं0 रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ में प्रतिभाग किया गया था जिसके अनुभव उपस्थित सभी प्रतिभागियों से साझा किये।

प्रोफेसर पी0डी0 पंत, डॉ0 सूर्यभान, डॉ0 प्रभा, कु0 दीप्ती, श्री विनोद कुमार विरखानी ने भी अपने–अपने विचार व्यक्त किये।

श्रीमती रूची आर्य, सहायक क्षेत्रीय निदेशक, ने विश्वविद्यालय के अन्तर्गत महिलाओं के प्रति किए जाने वाले कार्यक्रमों की निरंतरता एवं गुणवत्ता पर जोर देने की बात कही।

इसके अतिरिक्त प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विश्वविद्यालय की तरफ से माननीय कुलपति प्रो0 नेगी द्वारा विश्वविद्यालय की दो महिलाओं यथा श्रीमती दीपा फुलारा, अधिष्ठान विभाग तथा श्रीमती कमला राठौर, परीक्षा विभाग को उनके द्वारा विश्वविद्यालय में किये गये उत्कृष्ट कार्यों हेतु सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुये डॉ0 राजेन्द्र कैड़ा ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के निदेशक, प्राध्यापकों, अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कार्मिकों ने सफलतापूर्वक प्रतिभाग किया।

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय केग्रीष्मकालीन तथा शीतकालीन सत्र 2019–20 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Book Distribution Status Current Session (2019-20 Summer)

Total Students	9705
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	20
12 Roorkee	14
16 Haldwani	230
17 Ranikhet	24
18 Pithoragarh	4
19 Bageshwar	15
Books Packed/Dispatched For	307

Book Distribution Status Previous Session (2019-20-Summer)

Total Students	68774
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	18708
12 Roorkee	7603
14 Pauri	4329
15 Uttar Kashi	5470
16 Haldwani	17727
17 Ranikhet	7386
18 Pithoragarh	3584
19 Bageshwar	2834
Books Packed/Dispatched For	67641

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय कोविड–19 के तहत् जारी लॉकडाउन के दौरान शिक्षकों द्वारा की गई अन्य महत्वपूर्ण अकादमिक गतिविधियॉ

1. Dr. Kalpana Patni Lakhera Submitted abstract to National Seminar on - Innovation in Open and Distance Learning for quality education 2020 in theme Innovation in Assessment and evaluation system and accepted for presentation.
2. Dr. Kalpana Patni Lakhera Presented a research paper in National Seminar organized by Uttarakhand Open University Haldwani sponsored by ICSSRNew Delhi on role of NEP 2019 in approaches to teacher education on 14-15 Mar 2020.
3. Dr. Gopal Dutt, Programe coordinator, Vocational Studies Participated in International online seminar on Teaching, learning in the time of pandemic, role of online learning organized by KKSHOU and CEMCA on 21-22 Apr. He also Published a research paper titled “Study of Implementation of Technology Enabled Education in Teaching Learning: A Study”, at Journal of Xidian University (Scopus indexed and UGC approved Journal), ISSN No. 1001- 2400, Vol. 14, Issue 5.

4. Dr. Meenakshi Rana, attended and presented paper in the "International conference on Teaching-learning in the time of pandemic: Role of online learning" organized by K K Handiqui state open university, Guwahati, Assam, India, during 21 to 22 April 2020. Presented paper entitled "Online Learning During the Crisis of the Novel Corona Virus"

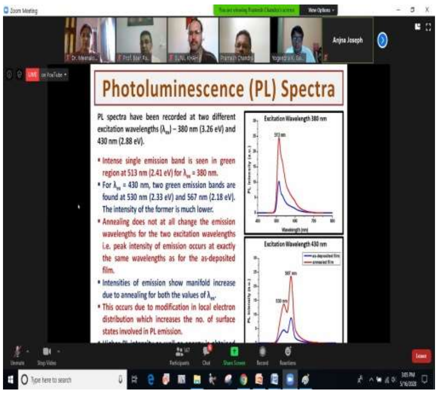

5. Dr. Meenakshi Rana submitted a conference paper entitled "Online Learning during the Crisis of the Novel Corona Virus". [First page attached]
6. Dr. Meenakshi Rana, attended webinar on "Material Science, Technology & Society (MSTS 2020)" organized by JNU, New Delhi, India, during 8 to 9 May 2020.
7. Dr. Meenakshi Rana, attended webinar on Biomedical Applications of Raman Spectroscopy, organized by University of Lucknow, on 11 May 2020 She also attended and presented paper in the international webinar on "Prospective of Interdisciplinary Research in Science and Technology in Present Scenario", organized by the Department of Physics, Ch. Charan Singh University, Meerut, UP, India, during May 15-16, 2020.

अन्य गतिविधियॉं

माह मार्च तथा अप्रैल, 2020 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त लॉकडाउन की अवधि में शिक्षकों द्वारा घर से ही छात्रों की समस्यायओं का निराकरण, ईकाई लेखन कार्य, पाठ्यक्रमों में सुधार/संशोधन, अध्ययन सामग्री, पुस्तकों की संरचना आदि कार्य किए जा रहे है।

वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा की तैयारियॉं प्रारम्भ की जा रही है तथा पुस्तक वितरण विभाग द्वारा विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति भी प्रारंभ कर दी गई है।

****

(विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है। संलग्नक– क)